

टूर संदर्भ
LKSEQXBWSP

सीलोन एंडियरमेंट (26 दिन)

22 दिन · 21 रातें | ड्राइवर-गाइड के साथ निजी टूर

AI द्वारा निर्मित छवि · वास्तविक तस्वीर नहीं

इस अनुभव के बारे में

यह 26-दिवसीय दौरा पूरे द्वीप के चारों ओर अपना रास्ता बनाता है, दक्षिण-पश्चिमी तट से शुरू होता है और कोलंबो के पास वापस समाप्त होता है, समुद्र तटों, वन्यजीव पार्कों, पहाड़ी क्षेत्र, सांस्कृतिक त्रिभुज के प्राचीन शहरों और उत्तर में जाफना प्रायद्वीप को शामिल करता है। यात्रा निजी चालक-निर्देशित कार द्वारा की जाती है, मार्ग एक आरामदायक गति से चलता है जो अधिकांश स्थानों पर दो या तीन रातें बिताने की अनुमति देता है बजाय दृश्यों के बीच जल्दबाजी के।

इस यात्रा के दौरान हिक्कडुवा और मिरिसा के समुद्र तटों पर समय है, याला राष्ट्रीय पार्क में एक सफारी, एला और नुवारा एलिया के आसपास लंबी पैदल यात्रा और एक सुंदर ट्रेन की सवारी, कांडी के सांस्कृतिक स्थल, सिगिरिया, पोलोन्नरुवा, डंबुल्ला और अनुराधापुरा के प्राचीन शहर, त्रिंकोमाली के चारों ओर तट और मंदिर, और जाफना के हिंदू मंदिर और द्वीप मंदिर, फिर कोलंबो और नेगोंबो के माध्यम से दक्षिण की ओर लौटना। यात्रियों को एक निरंतर यात्रा में औपनिवेशिक इतिहास, बौद्ध और हिंदू विरासत, उच्चभूमि के दृश्य, राष्ट्रीय पार्कों और तटरेखा का व्यापक मिश्रण मिलता है।

यह दौरा देश में एक समर्पित चालक गाइड के साथ पूरे समय चलाया जाता है, जो हवाई अड्डे के स्थानान्तरण, ड्राइविंग और पड़ावों के बीच दिन-प्रतिदिन की लॉजिस्टिक्स को संभालता है।



दिन-दर-दिन यात्रा कार्यक्रम

दिन 1 हिक्काडुवा और गाले (दिन 1–3)

एयरपोर्ट पर पहुंचने पर आपका स्वागत आपके ड्राइवर गाइड द्वारा किया जाएगा और आपको हिक्काडुवा ले जाया जाएगा, जो गाले के दक्षिणी प्रांत में एक समुद्र तटीय रिज़ॉर्ट शहर है, जहाँ आप चेक-इन करेंगे और प्रवाल भित्तियों से घिरे समुद्र तटों पर कुछ समय बिताएंगे, इससे पहले कि आप औपनिवेशिक शहर गाले और आसपास के तटीय क्षेत्र का भ्रमण करें।

हिक्काडुवा समुद्र तट

अपने प्रवाल भित्तियों से घिरे जल के लिए प्रसिद्ध एक समुद्र तटीय रिज़ॉर्ट शहर, जहाँ आप चेक-इन करेंगे और पहुंचने के बाद शाम का समय आराम से बिताएंगे।



गाले का पुराना औपनिवेशिक शहर

गाले किले का भ्रमण करें, जो एशिया के सबसे सुरक्षित रूप से संरक्षित किलों में से एक है, जिसे पहले पुर्तगालियों ने और बाद में डचों ने बनाया था। किले के संग्रहालयों और लाइटहाउस को देखें, और डच नामों वाली पथरीली गलियों में सैर करें।

Rovin Shanila · CC BY-SA 4.0



हंडुनुगोडा चाय फैक्ट्री

इसे वर्जिन व्हाइट टी फैक्ट्री के नाम से भी जाना जाता है, यहाँ प्रसिद्ध वर्जिन व्हाइट टी को हाथ लगाए बिना तोड़ा और संसाधित किया जाता है। चाय के इतिहास को जानें, चाय और चॉकलेट केक के साथ एक टेस्टिंग सत्र में शामिल हों, और स्मृति चिन्ह के रूप में चाय की पत्तियां खरीदें।

AI द्वारा निर्मित छवि · वास्तविक तस्वीर नहीं



रुमासाला

गाले से तीन किलोमीटर पूर्व में एक पहाड़ी, जिसके शीर्ष पर एक सफेद बौद्ध डागोबा है और जो उनावतुना समुद्र तट के एक प्रमुख स्थल के रूप में जानी जाती है। यह उन पांच श्रीलंकाई स्थलों में से एक है जहाँ कहा जाता है कि हनुमान द्वारा द्रोणगिरी पहाड़ ले जाते समय उसका एक हिस्सा गिर गया था, और यह सीता के इस द्वीप पर रहने की कथा से भी जुड़ा है।

AI द्वारा निर्मित छवि · वास्तविक तस्वीर नहीं



स्टिल्ट मछुआरे

कोगाला के तटीय क्षेत्र में डंडों पर बैठे मछुआरों को देखें, यह एक ऐसी परंपरा है जो पीढ़ियों से यहाँ चली आ रही है, और खुद मछुआरों से सुनें कि यह कैसे विकसित हुई और इसे कैसे किया जाता है।

Bernard Gagnon · CC BY-SA 3.0

दिन 4 मिरिसा (दिन 4–5)

वेलिगामा बे के पूर्वी छोर पर स्थित मिरिसा के समुद्र तट पर आराम से दो दिन बिताएं, जहाँ रेत पर आराम करने या पैरट रॉक और कोकोनट ट्री हिल जैसे नज़दीकी स्थलों पर जाने का समय मिलेगा।



मिरिसा समुद्र तट

वेलिगामा बे के पूर्वी छोर पर स्थित एक अर्धचंद्राकार समुद्र तट, जहाँ रेत का मोड़ एक एकांत, ताड़ के पेड़ों से घिरे द्वीप पर होने का अनुभव देता है। यहाँ दोनों दिन आराम की गति से बिताएं।

Ji-Elle · CC BY-SA 3.0

दिन 6 याला (दिन 6–7)

याला की यात्रा के दौरान एक कछुआ हैचरी और उसंगोडा के अनोखे खाली भू-दृश्य को देखें, इससे पहले कि आप याला नेशनल पार्क में एक पूरे दिन की सफारी पर जाएं।

कछुआ हैचरी

श्रीलंका के तटों पर आने वाले पांच प्रकार के संकटग्रस्त समुद्री कछुओं और रेकावा कछुआ हैचरी में किए जा रहे संरक्षण कार्य के बारे में जानें, जिसमें एक दिन में कछुओं को देखने और स्वयंसेवा करने का अवसर शामिल है।



उसंगोडा

एक तटीय क्षेत्र जो अपनी सर्पेन्टाइन चट्टान के कारण पेड़ों से लगभग खाली है, जिसमें जहरीले भारी धातु होते हैं जिन्हें केवल कुछ विशेष छोटे पौधे ही सहन कर सकते हैं। स्थानीय लोककथा इस खालीपन को हनुमान की जलती हुई पूंछ और राजा रावण द्वारा इस पठार को अपने रथ के लिए हवाई पट्टी के रूप में उपयोग करने से भी जोड़ती है।

A.Savin · FAL



याला नेशनल पार्क

द्वीप के दूसरे सबसे बड़े राष्ट्रीय उद्यान में, दक्षिण-पूर्वी तट पर, एक पूरे दिन की सफारी, जिसमें श्रीलंकाई तेंदुए, जंगली जल भैंस, स्लॉथ बियर और हाथियों के झुंड के साथ-साथ कई अन्य स्तनधारी, पक्षी, रेंगने वाले जीव और जलचर देखने का अवसर मिलता है।

Ranmith Welikala · CC BY-SA 4.0

दिन 8 एला और नुवारा एलिया (दिन 8–10)

पहाड़ी शहर एला की ओर जाएं, जहाँ मंदिर दर्शन और हाइकिंग होगी, इसके बाद ब्रिटिश काल के पूर्व पहाड़ी स्टेशन नुवारा एलिया तक एक सुरम्य ट्रेन यात्रा होगी, जहाँ इसकी औपनिवेशिक-युग की गलियों में सैर की जाएगी।



बुदुरुवागला मंदिर

10वीं शताब्दी की सात मूर्तियों वाला एक प्राचीन बौद्ध मंदिर परिसर, जो महायान संप्रदाय से संबंधित है। सबसे बड़ी बुद्ध मूर्ति पर अब भी उसके मूल प्लास्टर से बने वस्त्र और रंगे हुए रंग के निशान दिखते हैं, और माना जाता है कि साथ की एक मूर्ति बोधिसत्व अवलोकितेश्वर की है।

Vishvax (talk) (Uploads) · CC BY-SA 3.0



एला

लिटिल एडम्स पीक के दृश्यों के लिए चाय के बागानों और चट्टानी इलाके से गुजरते हुए सैर करें, नाइन आर्चेस ब्रिज को पार करें, और अपने विशिष्ट लूप-ओवर ट्रैक वाले डेमोडारा रेलवे स्टेशन पर यात्रा समाप्त करें।

Dan arndt · CC BY-SA 4.0

एला रॉक

लगभग तीन घंटे की चढ़ाई करके क्षेत्र के सबसे ऊंचे दृष्टिकोणों में से एक पर पहुंचें, जहाँ रास्ते में नामुनुकुला पर्वतमाला और लिटिल एडम्स पीक के दृश्य मिलते हैं, और शीर्ष से बंडारावेला पर्वतमाला, पुनागाला पहाड़ियां, नारंगला और एला गैप दिखाई देते हैं।



सुरम्य ट्रेन यात्रा

हापुताले से नुवारा एलिया तक चाय के बागानों से होकर, झरनों, धुंधले गांवों और जंगलों के पास से गुजरती एक ट्रेन यात्रा, जहाँ रास्ते में ट्रैक के पास नाटकीय ढलान भी दिखते हैं।

Chamal N · CC BY-SA 3.0



नुवारा एलिया

एक पहाड़ी शहर जो 19वीं और 20वीं सदी की शुरुआत में ब्रिटिशों के लिए मुख्य अवकाश स्थल था, जहाँ उस काल के कॉटेज, विला और हवेलियां मौजूद हैं। इसकी गलियों में सैर करें, पुराने लाल ईंटों वाले डाकघर का दौरा करें, और क्वीन विक्टोरिया पार्क या लेक ग्रेगरी में आराम करें।

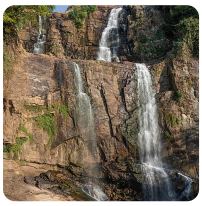
Abdul malik77 · CC BY-SA 4.0

दिन 11 कैंडी (दिन 11–12)

पहाड़ी राजधानी कैंडी जाते समय, एक चाय फैक्ट्री और रामबोडा झरने के ऊपर स्थित एक दृष्टिकोण स्थल पर रुकें, इससे पहले कि आप शहर के मंदिरों, बगीचों और एक सांस्कृतिक शो का दौरा करें।

चाय फैक्ट्री का दौरा

सीलोन चाय कैसे बनाई जाती है यह देखने के लिए एक कार्यरत चाय फैक्ट्री और बागान का दौरा करें, यह परंपरा 1824 से चली आ रही है जब एक चाय का पौधा पहली बार चीन से रॉयल बॉटेनिकल गार्डन्स में लाया गया था, और बाद में 1852 से कैंडी के पास लूलेकोंडेरा एस्टेट में जेम्स टेलर द्वारा इसे व्यावसायिक रूप से विकसित किया गया।



रामबोडा झरना

देश का 11वां सबसे ऊंचा झरना, जिसे मैकवुड्स टी एस्टेट की एक निर्देशित यात्रा के साथ देखा जाता है, जहाँ चाय की किस्मों और प्रक्रिया के बारे में जानकारी मिलती है, और हकगला बॉटेनिकल गार्डन्स और लेक ग्रेगरी के किनारे सैर की जाती है।

A.Savin · FAL



कैंडियन सांस्कृतिक शो

परंपरागत श्रीलंकाई प्रदर्शन कलाओं का एक घंटे का शो, जिसमें अग्नि नर्तक, तलवार नर्तक और ड्रमिंग पर नृत्य करते कैंडियन नर्तक शामिल हैं।

Arian Zwegers · CC BY 2.0



दलदा मालिगावा (टूथ रेलिक मंदिर)

16वीं शताब्दी में बनाया गया एक यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल, जिसे बुद्ध के पवित्र दांत अवशेष को रखने और सुरक्षित रखने के लिए बनाया गया था। लाल, क्रीम और काले रंग से रंगे इसके हॉल में घूमें, नक्काशीदार स्तंभों और स्वर्ण मूर्तियों के पास से गुजरें।

A.Savin · FAL



रॉयल बॉटेनिकल गार्डन

पेराडेनिया का रॉयल बॉटेनिकल गार्डन, जिसे 19वीं सदी की शुरुआत में बनाया गया था और जहाँ 4,000 से अधिक पौधों की प्रजातियां हैं, जिनमें ऑर्किड, मसाले और औषधीय पौधे शामिल हैं, साथ ही एक कैननबॉल ट्री, एक सस्पेंशन ब्रिज और हेज मेज़ भी हैं।

Bernard Gagnon · CC BY-SA 3.0

दिन 13 डाम्बुला (दिन 13–15)

सांस्कृतिक त्रिभुज के केंद्र में स्थित डाम्बुला में ठहरते हुए, इन दिनों में एक प्राकृतिक झील, एक मसाला बगीचा, सिगिरिया चट्टान किला और एक गांव का भ्रमण, प्राचीन शहर पोलोन्नारुवा, मिन्नेरिया नेशनल पार्क में एक सफारी, और डाम्बुला गुफा मंदिर शामिल हैं।



सेंबुवट्टा झील

एल्काडुवा के पास प्राकृतिक झरने के पानी से बनी एक झील, जिसे स्थानीय रूप से 30 से 40 फीट गहरा माना जाता है, और जिसके किनारे एक प्राकृतिक झरने से भरा स्विमिंग पूल भी है।

Sivanandhan Dishanthan · CC BY-SA 4.0



मसाला बगीचा

धनिया, मिर्च, दालचीनी, इलायची और जायफल तथा उनके उपयोगों को कवर करते हुए मसाले और औषधीय बगीचे का एक निर्देशित दौरा, साथ ही एक परंपरागत कुकिंग डेमोंस्ट्रेशन जिसमें दिखाया जाता है कि रोटी या करी पाउडर शुरू से कैसे बनाया जाता है।

AI द्वारा निर्मित छवि · वास्तविक तस्वीर नहीं



सिगिरिया चट्टान किला

राजा कश्यप का 5वीं शताब्दी का चट्टान किला, जिसमें विशाल शेर के पंजों से बने प्रवेश द्वार से प्रवेश किया जाता है। प्रसिद्ध भित्तिचित्रों को पार करते हुए सीढ़ीनुमा बगीचों, आज भी काम करने वाले जलाशयों और शिखर पर महल के खंडहरों तक चढ़ें।

Wrobell · CC BY-SA 3.0



सिगिरिया में गांव का भ्रमण

सिगिरिया के पास परंपरागत गांव जीवन की एक झलक, जिसमें बैलगाड़ी की सवारी, एक गांव की झील पर कैटामरन सफारी, धान के खेतों से होकर सैर, एक कुकिंग डेमोंस्ट्रेशन और कमल के पत्तों पर परोसा गया घर का बना भोजन शामिल है।

AI द्वारा निर्मित छवि · वास्तविक तस्वीर नहीं



मिन्नेरिया नेशनल पार्क

मिन्नेरिया में तीन घंटे की सफारी, जो मई से अक्टूबर के बीच होने वाले ग्रेट एलिफेंट गैदरिंग के लिए प्रसिद्ध है, जब 150 से अधिक हाथी एक ही जगह इकट्ठा होते हैं, साथ ही अन्य स्तनधारी, पक्षी, रेंगने वाले जीव और जलचर भी देखे जा सकते हैं।

Stuart Pinkney · CC BY 2.0



प्राचीन शहर पोलोन्नारुवा

श्रीलंका की दूसरी प्रमुख राजधानी के खंडहर, जो 10वीं से 13वीं शताब्दी तक फली-फूली। गल विहार, वाटादगे, कमल स्नानघर, लंकातिलक मंदिर और राजा पराक्रमबाहु से जुड़ी मूर्ति देखें।

Bernard Gagnon · CC BY-SA 3.0



डाम्बुला गुफा मंदिर

डाम्बुला का स्वर्ण मंदिर, जो पहली शताब्दी ईसा पूर्व का है, जिसमें बुद्ध के जीवन को दर्शाने वाले भित्तिचित्र और इसकी पांच मुख्य गुफाओं में सैकड़ों बुद्ध और देवता मूर्तियां हैं, साथ ही बाहर एक विशाल स्वर्ण बुद्ध मूर्ति भी है।

Lankapic · CC BY 2.5

दिन 16 त्रिंकोमाली (दिन 16–18)

पूर्वी तट पर स्थित त्रिंकोमाली में, शहर के मंदिर और किले का दौरा करें, निलावेली समुद्र तट पर समय बिताएं, व्हेल देखने की सफारी पर निकलें, और पिजन आइलैंड और ऐतिहासिक गांव थिरियाया को देखें।



कोणेश्वरम मंदिर

भारतीय कवि-संतों द्वारा सराहा गया एक प्राचीन मंदिर, जिसमें 1580 ईसा पूर्व का एक गुफा मंदिर है और लगभग 400 ईसवी के आसपास बाद में विकसित किया गया मुख्य मंदिर है, जिसके भित्तिचित्र इस स्थल के इतिहास को बताते हैं।

Shamli071 · CC BY-SA 3.0



फोर्ट फ्रेडरिक

मूल रूप से पुर्तगालियों द्वारा 1624 में बनाया गया, जिसमें उन्होंने कोणेश्वरम मंदिर को नष्ट करके उससे ली गई पत्थरों का उपयोग किया था, और बाद में डचों द्वारा इसे तोड़कर फिर से बनाया गया।

AntanO · CC BY-SA 4.0



निलावेली समुद्र तट

सुनहरी रेत, ताड़ के पेड़ों और साफ पानी वाला एक समुद्र तट, जिसे श्रीलंका के सबसे बेहतरीन समुद्र तटों में माना जाता है, जिसके पास 10वीं शताब्दी का एक तमिल शिलालेख यह दर्ज करता है कि यह भूमि कोणेश्वरम मंदिर को दी गई थी।

Anton 17 · CC BY-SA 4.0



त्रिंकोमाली में व्हेल देखने की सफारी

पांच घंटे की यात्रा जिसमें ब्लू व्हेल, स्पर्म व्हेल और फिन व्हेल देखने का अवसर मिलता है, साथ ही प्रजातियों की पहचान में मदद के लिए एक योग्य प्रकृतिवादी भी मौजूद रहता है।

Ji-Elle · CC BY-SA 3.0



पिजन आइलैंड नेशनल पार्क

प्रवाल भित्ति से घिरे दो द्वीपों का समूह, जो प्रजनन करने वाले रॉक पिजन और विभिन्न प्रकार के प्रवाल और समुद्री जीवन का घर है।

AntanO · CC BY-SA 4.0



थिरियाया वाटादगे

एक गांव, जिसे अब थिरियाई कहा जाता है, जो एक समय तमिल बौद्ध धर्म का केंद्र था, यहाँ गिरिहदु सेया स्तूप है जिसे बुद्ध द्वारा दो व्यापारियों को बाल अवशेष देने के स्थान के रूप में माना जाता है, और एक अंतिम वन्नियार मुखिया के किले के खंडहर भी हैं।

AI द्वारा निर्मित छवि · वास्तविक तस्वीर नहीं

दिन 19 जाफना (दिन 19–20)

जाफना के आसपास उत्तरी प्रायद्वीप में, जो एक समय गृहयुद्ध का केंद्र था, शहर का और नागादीपा और नैनातिवु के द्वीप मंदिरों का दौरा करें।



जाफना

द्वीप के उत्तरी सिरे पर स्थित शहर और प्रायद्वीप, जहाँ नल्लूर, नैनातिवु और माविट्टापुरम जैसे प्राचीन हिंदू मंदिर, डच किला, युद्ध स्मारक, सरस्वती महल पुस्तकालय, नागादीपा विहार और जाफना के अंतिम राजा चांकिली प्रथम के महल स्थल मौजूद हैं।

AI द्वारा निर्मित छवि · वास्तविक तस्वीर नहीं



नागादीपा द्वीप

सिंहली भाषा में नागादीपा और प्राचीन काल में मणिपल्लवम के नाम से जाना जाने वाला यह द्वीप जाफना के उत्तर में है और नागा लोगों तथा उनकी सर्प पूजा से जुड़ा है, जो नैनातिवु नागपूषणी अम्मन मंदिर और नागादीपा पुराण विहार में झलकता है।

Wikinamaste · CC BY-SA 3.0



नैनातिवु नागपूषणी अम्मन मंदिर

कम से कम दो हज़ार वर्षों का इतिहास रखने वाला एक हिंदू मंदिर, जिसका उल्लेख टॉलेमी ने भी किया था, जो द्रविड़ शैली में चार गोपुरमों, कई मंडपमों और मंदिर रथों के साथ बना है, और इसे विश्व के केवल 64 शक्ति पीठों में से एक माना जाता है।

Wikinamaste · CC BY-SA 3.0

दिन 21 अनुराधापुर

फिर से दक्षिण की ओर बढ़ते हुए, श्रीलंका की पहली प्रमुख राजधानी अनुराधापुर के खंडहरों के बीच पूरा दिन बिताएं।



अनुराधापुर खंडहर शहर

10वीं शताब्दी ईस्वी तक एक हज़ार वर्षों से अधिक समय तक श्रीलंका की राजधानी रहा यह स्थल, जहाँ विशाल पुरातात्विक क्षेत्र में पैगोडा, मठ भवन और तालाब फैले हुए हैं। जेतवनाराम का दौरा करें, जो एक समय प्राचीन विश्व की सबसे ऊंची इमारतों में से एक थी, श्री महा बोधि, और अभयगिरी मठ के खंडहर।

Thisaru Tharuka · CC BY-SA 4.0

दिन 22 कोलंबो और नेगोंबो (दिन 22–24)

यात्रा का समापन कोलंबो में शहर दर्शन और एयरपोर्ट के पास नेगोंबो में समुद्र तट पर समय बिताने के साथ होता है, इससे पहले कि आप प्रस्थान के लिए स्थानांतरित हों।



कोलंबो शहर भ्रमण

राजधानी के प्रमुख स्थलों का भ्रमण, जिसमें पुराना लाइटहाउस, पुरानी संसद, गाले फेस होटल और गाले फेस ग्रीन, गंगाराम मंदिर और राष्ट्रीय संग्रहालय शामिल हैं, साथ ही इसके मॉल, बुटीक दुकानें और डिज़ाइनर स्टोर भी।

Gihanud2001 · CC0



कोलंबो का रात्रि जीवन

कोलंबो के जीवंत पहलू का अनुभव करने का समय, जिसमें समुद्र तट किनारे पार्टियां, कॉकटेल, कैसीनो और देर रात तक खुले रहने वाले बुटीक रेस्तरां शामिल हैं।

Gihanud2001 · CC0



नेगोंबो

पश्चिमी तट पर एक समुद्र तटीय शहर जहाँ लंबे समय से मछली पकड़ने का उद्योग चलता आ रहा है, सुनहरी रेत, जल क्रीड़ाएं, प्रवाल और समुद्री जीवन के बीच डाइविंग, और समुद्र तट से थोड़ी दूर एक 50 साल पुराना जहाज़ का मलबा भी है।

AI द्वारा निर्मित छवि · वास्तविक तस्वीर नहीं

क्या शामिल है

शामिल है

- Transport in a Private Vehicle, inclusive of, cost of fuel, parking & highway tolls.
- Service of an English-Speaking Chauffeur Guide throughout the tour.
- All prevailing taxes and service charges (Except for Credit Card Charges).

शामिल नहीं है

- Hotel Accommodation.
- International / Domestic Airfare.
- Any expenses of personal nature.
- Entrance fees to the respective sites.
